

# ग्रसाधारण

# EXTRAORDINARY

भाग II--- खण्ड 3--- उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राविकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ३ 326]

नई दिल्ली, बृहस्पतिबार, जून 3, 1971/क्येष्ठ 13, 1893

No. 326]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 3, 1971/JYAISTHA 13. 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रालग संकलन के रूप में रक्षा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

# MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (Department of Industrial Development)

# ORDERS

New Delhi, the 3rd June 1971

S.O. 2278.—Whereas the industrial undertaking known as the Messrs: Mc-Kenzies Limited, Bombay, is engaged in the scheduled industry, namely, the railway rolling stock industry;

And whereas the Central Government is of the opinion that there has been substantial fall in the volume of production in respect of the articles manufactured in the said industrial undertaking, for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

#### Chairman

Shri R. K. Sethi, Managing Director, National Industrial Development Corporation, New Delhi.

# Members

- Shri R. K. Tikku, Director, Ministry of Industrial Development and Internal Trade, New Delhi.
- Shri P. G. Gandhi, Joint Director (Investigation), Company Law Administration, Bombay.

The above body shall submit its report to the Central Government—within a period of two months from the date of publication of this Order in the official Gazette.

[No. F. 20(1)/71-HM.II.]

# प्रोद्धोगिक विकास मंत्रालय (प्रौद्योगिक विकास विभाग)

# अ।देश

# नई दिल्ली, 3 जून, 1971

गृयु० श्रो० 2278.—यतः मे० मैंकेंजीज लिमिटेड, बम्बई नामक श्रीद्योगिक उपक्रम जो श्रानुमुचित उद्योग अर्थात् रेलवे रोलिंग स्टाक उद्योग में उत्पादन रत है,

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि उक्त उपक्रम में बनाई जाने वाली वस्तुश्रों की उत्पादन माला में काफी गिरावट श्रा गई है, जिसका कि, वर्तमान श्रार्थिक स्थिति के संदर्भ में कोई ग्रीचित्य नहीं है,

श्रव श्रतः, उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 15 द्वारा श्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा इस मामले की सम्पूर्ण श्रीर समग्र २4 से जांच पड़ताल करने के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित न्यक्तियों का एक निकाय नियुक्त करती है:—

# ग्र-यक्ष

श्री स्नार० के० सेठी, प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय श्रीद्योगिक विकास निगम, नई दिल्ली।

# सबस्यगण

- श्री ग्रार० के० तिक्कू, निदेशक, श्रीद्योगिक विकास मंत्रालय, नई दिल्ली।
- 2. श्री पी० जी० गांधी, संयुक्त निदेशक (जांच) करपनी कानून प्रशासन, बम्बई।

उपर्यूक्त निका। इस ब्रादेश के सरकारी राजपत्न में प्रकाशित होने की तिथि से दो महीने के भीतर अपना प्रतिवेदन केन्द्रीय सरकार को प्रस्तृत करेगा।

S.O. 2278A.Whereas the industrial undertaking known as the Messrs. Alcock Ashdown & Co. Bombay, is engaged in the scheduled industry, namely, the Iron & Steel Structurals industry;

And whoreas the Central Government is of the opinion that there has been substantial fall in the volume of production in respect of articles manufactured in the said industrial undertaking for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

#### Chairman

Shri R. H. Thi, Managing Director, National Industrial Development Corpn., New Delhi.

#### Members

- Shri R. K. Tikku, Director, Ministry of Industrial Development and Internal Trade, New Delhi.
- Shri P. G. Gandhi, Joint Director (Investigation), Company Law Administration, Bombay.

The above body shall submit its report to the Central Government within a period of two months from the date of publication of this order in the Official Gazette.

[No. F. 20(2)/71-HM.II.] S. M. GHOSH, Jt. Secy.

एस॰ श्रो॰ 2273 ए॰ --यतः मे॰ एलकोक एणडाउम ए॰ क॰ बम्बई नामक श्रीद्योगिक उपक्रम जो श्रनुसूचित उद्योग, श्रयत्लौह तथा इस्पात ढांचों के उद्योग में उत्पादन रत है,

श्रव श्रतः, उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रवत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्रस मामले की सम्पूर्ण श्रीर समग्र रुप से जांच पड़ााल करने के प्रयोजा के लिये निम्नलिखिन व्यक्तियों का एक निकाय नियुवन करती हैं:—

#### च ३ यक्ष

श्री ग्रार० के० सेठी, प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय ग्रौद्योगिक विकास निगम, नई दिल्ली ।

#### सवस्यगण

- श्री ग्रार० के० तिक्कू, निदेशक, ग्रौद्योगिक विकास मंत्रालय, नई दिल्ली।
- 2. श्री पी ० जी ० गांधी, संयुक्त निदेशक (जांच) कम्पनी कानुन प्रशासन, बम्बई।

उपर्युक्त निकास इस आदेश के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से दो महीने के भीतर अपना प्रतिवेदन केन्द्रीय सरकार को। प्रस्तुत करेगा ।

> [सं॰ एफ॰ 20(2)/71 एव॰एम॰ II] एस॰ एम॰ धोष, संयुक्त मचिव ।